प्रेरणादायक था नई पीढ़ी आंत्रप्रेन्योर्स अवार्ड समारोह

-खुशबू दोशी
प्रबंध निदेशक, राजू इंजिनियर्स लिमिटेड

नई पीढ़ी आंत्रप्रेन्योर्स अवार्ड समारोह हम जैसे लोगो के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। हम अभी सीख रहे हैं खड़े हो रहे हैं। तब अगर ऐसी कुछ गतिविधि होती है। तो ये बहुत ही प्रेरक हैं।

राजू इंजीनियर्स लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर खुशबू दोशी इस देश की महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है जिन्हे पिछले दिनों नई दिल्ली के संसद गलियारे के पास स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में नई पीढ़ी आंत्रप्रेन्योर अवार्ड 2023–2024 के दौरान यूथ आईकॉन से सम्मानित किया गया है। आइये बात करते हैं खुशबू दोशी से –

संयुक्त व्यापार–अभी आपको नई पीढ़ी आंत्ररप्रेन्योर्स अवार्ड 2023–2024 के दौरान यूथ आइकॉन के रूप में सम्मानित किया गया है। यूथ आइकॉन में आपको सबसे प्रथम वरीयता मिली है, कैसा महसूस कर रही हैं आप?

खुशबू दोशी–अभी काफी अच्छा महसूस कर रही हूं मैं। लेकिन जो अवार्ड मुझे दिया गया है उसका श्रेय मेरी पूरी कंपनी को जाता है। मैंने क्या किया है वह इतना जरुरी नहीं है? लेकिन मुझे जो सपोर्ट मिला, मेरी पहली जनरेशन से और राजू की पूरी टीम से तो यह उन सब की मेहनत का नतीजा है। मैं इस अवॉर्ड को अपने परिवार और अपनी कंपनी को समर्पित करना चाहूंगी।

संयुक्त व्यापार–आपने राजू इंजीनियर्स लिमिटेड को किस तरह से आगे बढ़ाया है? अपने कार्यकाल के बारे में कुछ बताइए। जिससे लोग प्रेरणा ले सकें।

खुशबू दोशी–मैं 17 वर्ष की उम्र से राजू इंजीनियर्स लिमिटेड में काम कर रही हूं, और हमारी जो वैल्यू सिस्टम हैं जिसे हमारी पहली जेनरेशन ने शुरू की थी, हम उसी को लेकर आगे चले हैं। पहली जेनरेशन से मेरा निष्कर्ष मेरे पिताजी और चाचा जी से हैं। वे हमेशा से आध्यात्मिक व्यवसायिकता में विश्वास करते थे। दरअसल हम भारतीय लोग हैं और हम भारतीय तरीके से बिजनेस करने में अपनी सोच रखते हैं। हमारी इंडियन वैल्यू सिस्टम है। और हमे भारतीय होने पर बहुत गर्व हैं। हम अपनी भारतीय चीजे समझते हैं और हम उसी हिसाब से काम करते हैं। कस्टमर बड़ा हो, चाहे छोटा हो, लेकिन वह हमारे लिए भगवान समान है। हम इस सोच को लेकर आगे चलते हैं,और जब आप कस्टमर को भगवान मान लेते हैं तब आप उनकी जरूरत की चीजों पर काम करते हैं। अगर इस पर फोकस करें तो विकास होना ही है।

यहां इस बिजनेस में मेरे तीन भाई और एक बहन भी शामिल हैं, हम सब दिए गए हैं उन्ही संस्कार को लेकर काम करने में विश्वास रखते हैं। इसी तरह से कंपनी को और आगे लेकर जाने का हमारा सपना है।

संयुक्त व्यापार–आप नई जनरेशन की महिला आंत्रप्रेन्योर है ऐसे में महिलाओं को आप क्या संदेश देना चाहेंगी ?

खुशबू दोशी–उनके लिए मेरा यही संदेश है कि हमें पुरुषों की तुलना करने की जरूरत नहीं है। हम बहुत सारी ऐसी चीज करने में सक्षम है जो पुरुष नहीं कर सकते हैं। और जो वह कर सकते हैं उसको हमें अपनी कमजोरी नहीं मानना है। उसी में हमारी ताकत है। हम माता–पिता का ध्यान रख सकते हैं। हम बच्चों का ध्यान रख सकते हैं, हम अपने घर की जिम्मेदारियां ले सकते हैं। उस ताकत को साइड में रखकर हमें कुछ

हालांकि अवार्ड से मिलने वाली जो प्रेरणा है उसका जीवन में ज्यादा महत्व है। यह हमे और अधिक से अधिक संघर्ष करने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे में मैं वास्तव में इसकी सरहाना करना चाहूंगी। मेरा अब एक ही सुझाव है कि इसमें महिलाओं का भी एक वर्ग होना चाहिए। अभी जो मुझे अवार्ड मिला है उसमें अभी तक महिला वर्ग नहीं था, ये तो भगवान की कृपा थी जो हमे ये अवॉर्ड मिला।

नया करने की आवश्यकता नहीं है। नया तो हम कर ही रहे हैं। जब हम नया करें, तो हमें जो अपने अस्तित्व के साथ मिली हुई जिम्मेदारियां है। हमें उससे समझौता नहीं करना चाहिए। क्योंकि वह हम ही कर सकते हैं बाकी कोई नहीं कर सकता। आंत्रप्रेन्योरशिप बोलो या लीडरशिप बोलो । ऐसा नहीं है कि 24 घंटे प्रोफेशनल ही काम करें, फिर हमारी दूसरी जिम्मेदारियां बाकी ही रह जाएँगी। हम ऐसा नहीं कर सकते हैं एक महिला के रूप में अपने परिवार के प्रति व समाज के प्रति हमारी जो जिम्मेदारियां है हमें उसको भी उतना ही औचित्यपूर्ण तरीके से करना पड़ेगा। मेरी सबसे यही प्रार्थना है की हमे महिला होने पर गर्व हैं और दुनिया में बहुत से पुरुष हैं एक पिता, पति, भाई, चाचा, बेटे जैसे विभिन्न रूपों में हम इन सभी का समर्थन करते हैं । स्वाभाविक है जब हमे इतने सारे लोग सपोर्ट करते हैं तब रिजल्ट तो मिलना ही है।

संयुक्त व्यापार–अभी प्लास्टिक्स टुडे, संयुक्त व्यापार और नई पीढ़ी इन तीनों पत्रिकाओं ने मिलकर जो नई पीढ़ी आंत्रप्रेन्योरअवार्ड का आयोजन किया उस बारे में आप क्या कहना चाहेंगी ?

खुशबू दोशी–यह पूरी जो भी गतिविधि हुई है ।यह हम जैसे लोगो के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। हम अभी सीख रहे हैं खड़े हो रहे हैं। तब अगर ऐसी कुछ गतिविधि होती है। तो ये बहुत ही प्रेरक हैं। दुर्भाग्यवश मैं फंक्शन में शामिल नहीं हो सकी क्योंकी मेरी कुछ पारिवारिक प्रतिबद्धताएँ थी। लेकिन जितना मैंने मार्केट से और जो मेरे सहकर्मी मेरी ओर से शामिल हुए उनसे भी सुना जो की बहुत ही बेहतरीन था, नई पीढ़ी अवार्ड फंक्शन के दौरान मेरे सहकर्मियों को भी उससे काफी ज्यादा प्रेरणा मिली। मैं चाहती हूं कि ऐसे अवार्ड और वर्गों में भी होने चाहिए। हालांकि अवार्ड से मिलने वाली जो प्रेरणा है उसका जीवन में ज्यादा महत्व है। यह हमे और अधिक से अधिक संघर्ष करने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे में मैं वास्तव में इसकी सरहाना करना चाहूंगी। मेरा अब एक ही सुझाव है कि इसमें महिलाओं का भी एक वर्ग होना चाहिए। अभी जो मुझे अवार्ड मिला है उसमें अभी तक महिला वर्ग नहीं था, ये तो भगवान की कृपा थी जो हमे ये अवॉर्ड मिला। लेकिन अगर महिलाओं का वर्ग होगा तो और महिलाये भी हिस्सा ले सकेंगी और हमे उनको और प्रोत्साहित करना चाहिए। ■